प्रा0/22 पत्रांक प्रेषक को बकुलाय उपनि0 बाणी
अधिवक्ता द्वारा प्रतिवादी श्रवण की
वादिनी को रिकार्ड पर लिये जाने हेतु
प्रा0पत्र 022 रु0 प्रेषण हेतु बार-बार
अवसर दिये गये। तथा श्री उमेशचन्द्र को
अन्तिम अवसर भी दिया गया। बावजूद
भी कोई उत्तर प्राप्त प्रेषण नहीं किया
गया।

अतः वाद वादी अपने पैरवी नहीं किया
किया जाता है। पत्रांक मौसल कार्यालय
वादिनी घटित है।

Scanned with CamScanner